जनपद सहारनपुर की सपोर्टिव सुपरविजन विजिट आख्या

भ्रमण अवधि– दिनांक 12.06.2018 से 14.06.2018

राज्य स्तरीय टीम

1. श्री सौरभ तिवारी, सलाहकार, अनुश्रवण एवं मुल्यांकन ।
2. श्री अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्रम समन्वयक, परिवार नियोजन।

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में उपरोक्त टीम द्वारा दिनांक 12–14 जून 2018 के मध्य जनपद सहारनपुर का भ्रमण कर एल–3, एल–2 व एल–1 स्तर की स्वास्थ्य इकाईयों, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा सामुदायिक गतिविधियों का अवलोकन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में डिब्रीफिगं बैठक का आयोजन भी किया गया, जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कार्यक्रम समन्वयक(शहरी स्वास्थ्य), सिटी मैनेजर–पी0एस0आई0, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक–एन0एच0एम0, जिला कम्युनिटी प्रासेस प्रबन्धक–एन0एच0एम0 तथा समस्त ब्लाक के प्रभारी चिकित्साधिकारी, बी0पी0एम0 एवं बी0सी0पी0एम0 के द्वारा प्रतिभाग किया गया। भ्रमण रिपोर्ट निम्नानुसार है–

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र –सरसॉवॉ,

सम्पर्क अधिकारी– डा0 राजेश कुमार, चिकित्सा अधीक्षक।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
मानव संसाधन		
डा0 राजेश कुमार, चिकित्सा अधीक्षक द्वारा जानकारी दी गयी कि सरसॉवॉ में 12 उपकेन्द्रों पर एक भी ए0एन0एम0 तैनात नही है। आई0सी0टी0सी0 परामर्शदाता का पद रिक्त पाया गया। आई0सी0टी0सी0 लैब टैक्नीशियन दोपहर 2:00 बजे कार्यालय से जा चुका था। आई0सी0टी0सी0 कर्मचारियों को कार्यालय अवधि के मानक उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।	टीम द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय से वार्ता के क्रम में निकट स्थानों पर तैनात ए0एन0एम0 को सरसॉवॉ में तैनात करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबंधक। संयुक्त निदेशक, आई0सी0टी0सी0, उ0प्र0राज्य एड्स सोसाइटी।
चिकित्सालय परिसरः–		
परिसर में साफ–सफाई ब्यवस्था संतोषजनक पायी गयी।	अधिकारियों द्वारा रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया। विकसित की गई चेकलिस्ट प्रदर्शित की गई।	चिकित्सा अधीक्षक
सिटीजन चार्टर डिस्प्ले था। 5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था। ई0डी0एल0 का प्रदर्शन किया गया था। हेल्पडेस्क की ब्यवस्था नहीं थीं।	अपडेट कराते हुए उचित स्थान पर डिस्प्ले करने तथा जनपद स्तर से 5'5 मैट्रिक्स प्राप्त करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
चिकित्सालय में प्रोटोकाल पोस्टर्स यथा स्थान नहीं लगे थे।	प्रोटोकाल पोस्टर्स यथास्थान पर लगवाये जाने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
आई0ई0सी0ः–		
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी।	विभिन्न कार्य{मों की अपडेटेड आई0ई0सी0 जनपद स्तर से प्राप्त कर यथास्थान डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
बायोमेडिकल वेस्ट–		
चिकित्सालय में Colour Coded Bins उपलब्ध थीं। बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित स्टाफ का ओरिएण्टेशन कराये जाने की जरुरत है।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
मातृत्व स्वास्थ्यः–		
लेबर रूमः– लेबर रूम में सेवन (सात) ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटाकालपोस्टर्स, हैण्डवाशिंग एरिया आदि मानकानुसार नहीं पायी गयी, लेबलिंग नियमानुसार नहीं की गयी थी।	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व सेवन (सात) ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटाकालपोस्टर्स आदि लगवाने का सुझाव दिया गया। नियमित दवाएं चेक	सम्बन्धित स्टाफ

पी0पी0एच0के प्रबन्धन के बारे में स्टाफ नर्सों को जानकारी नहीं थी। पार्टोग्राफ नहीं भरी जा रही थी। रेडियेण्ट वार्मर राड क्रियाशील नही है। दवाएं एक्सपाइरी पायी गयी।	करने का एवं मानकानुसार भण्डार में दवाओं की एक्सापाइरी सूची सहित स्टोर करने सुझाव दिया गया।	
ए0एन0सी0:– गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली समस्त सेवाओं की जानकारी ए0एन0एम0 को नहीं थी।	ए0एन0एम0 को जानकारी दी गई व सहायक सामग्रियों का नियमित अध्ययन करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
जननी सुरक्षा योजना:– अटेन्डेन्ट के बैठने की उचित व्यवस्था नहीं थी। डायट रजिस्टर आदि मेण्टेन किये जा रहे हैं।	उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जायें।	चिकित्सा अधीक्षक
पी0एन0सी0वार्ड:– प्रसूता इमराना पत्नी हलीम, निवासी–कुण्डेसर का छठा प्रसव था जबकि रिकार्ड में पॉचवा प्रसव दर्ज किया गया था। भर्ती प्रसूताओं को शीघ्र स्तनपान व परिवार नियोजन के बारे में ड्यूटी स्टाफ नर्स द्वारा जानकारी नहीं दिया गया था।	सही जानकारियॉ प्राप्त कर रिकार्ड दर्ज करने तथा शीघ्र स्तनपान, शिशु स्वास्थ्य व परिवार नियोजन के बारे में ड्यूटी स्टाफ नर्स द्वारा जानकारी प्रदान करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
बाल स्वास्थ्य:–		
टीका करण कक्ष के बाहर प्रचार–प्रसार सम्बन्धी प्रदर्शन प्र्याप्त नहीं था।	आई0ई0सी0 सामग्री को यथा स्थान पर प्रदर्षित किया जाये।	सम्बन्धित स्टाफ
परिवार नियोजन–		
नसबन्दी लाभार्थियों के रिकार्ड भरे हुए देखने को मिले। मेडिकल रिकार्ड चेकलिस्ट भरी हुई पायी गयी।	रिकार्ड निर्धारित मुद्रित प्रपत्रों पर पूर्ण कर रखने का सुझाव दिया गया। विभिन्न कार्य{मों की मुद्रित सामग्री जनपद स्तर से प्राप्त कर सम्बन्धित को प्रदान किया जाए।	चिकित्सा अधीक्षक
गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है।	तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाए।	सम्बन्धित स्टाफ
पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन हुए लाभार्थियों का फालोअप काफी कम हैं।	पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन हुए लाभार्थियों का फालोअप सुनिश्चित कराया जाए।	चिकित्सा अधीक्षक
जनपद स्तर से उपलब्ध कराया जाने वाला नसबन्दी का पैसा ए0एन0एम0 को नही प्राप्त होता पाया गया।	डी0सी0पी0एम0 द्वारा बताया गया कि ए0एन0एम0 के खाते अपडेट नही है। टीम द्वारा तत्काल समस्त ए0एन0एम0 के खाते अपडेट करने का सुझाव दिया गया।	ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक, ब्लाक वित्त प्रबंधक, जनपद वित्त प्रबंधक
आपरेशन थियेटर:–		
संक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फालो नहीं किये जा रहे थे।	आपरेशन थियेटर मानक के अनुरुप मेण्टेन कराये जाने का सुझाव दिया गया।	ओ0टी0 इंचार्ज / चिकित्सा अधीक्षक
राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम:–		
वाहनों पर कार्यक्रम का लोगो एवं बैनर नही लगा था। रजिस्टर में सम्पर्क नम्बर दर्ज नहीं थे। बेबी वजन मापने की मशीन क्रियाशील नही थी। शिकायत पुस्तिका उपलब्ध नहीं थी। आर0बी0एस0के0 की टीम में स्टाफ की कमी पायी गयी।	मानक अनुसार व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित अधिकारी / स्टाफ
ए0एन0एम0, ऑगनबाड़ी व आशा बैठक–		
ए0एन0एम0, ऑगनबाड़ी व आशाओं के बैठक में प्रतिभाग किया गया। सम्बन्धित को विभिन्न योजनाओं के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं थी।	आशाओं को विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में पर्याप्त जानकारी उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया। विश्व जनसंख्या दिवस की तैयारियों के बारे मे जानकारी प्रदान करते हुए लाभार्थियों की सूची तैयार करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक

संलग्न– चेकलिस्ट।

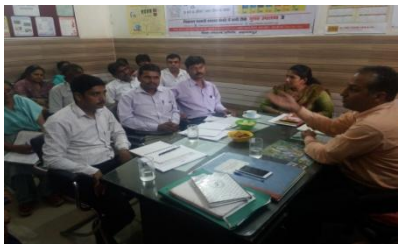

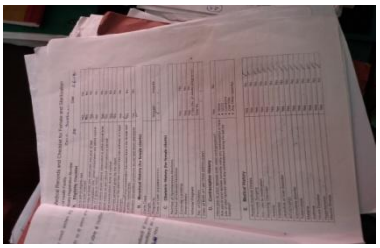

सामुदायिक गतिविधियॉ : ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्र।

ग्राम– टपरीकला, स्थान–सुलेमान का बैठक।

सम्पर्क : ए.एन.एम.–श्रीमती प्रतिभा। आशाः– श्रीमती कवल। ऑगनबाड़ी कार्यकत्रीः– श्रीमती हंसी, उमेश व किरन।

टीम द्वारा वी0एच0एन0डी0 सत्र का अवलोकन किया गया। सामुदायिक स्तर की गतिविधियों के आकलन हेतु टीम द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरुप विभिन्न विधाओं के सेवाप्राप्त 05 लाभार्थियों से सम्पर्क किया गया।

- ए0एन0सी0 चेकअप हेतु स्थान उपलब्ध नही था। आवासीय कक्ष को टीम को दिखाया गया, जो कि 11:00 बजे बंद पाया गया एवं टीम के द्वारा उसे खुलवाया गया।
- ए0एन0सी0 एवं0 पी0एन0सी0 चेक अप की कोई समुचित व्यवस्था नही थी।
- सत्र स्थल पर प्रिण्टेड टैलीशीट नहीं पायी गयी। माइक्रोप्लान भी उपलब्ध नहीं था।
- हाई रिस्क प्रेगनेन्सी रजिस्टर उपलब्ध नहीं था। प्रसूती रिकार्ड, लक्षित दम्पत्ति सूची, आदि उपलब्ध नहीं पायी गयी।
- बच्चो की वजन मशीन उपलब्ध थी।
- पन्चर प्रुफ वाक्स एवं स्टेथस्कोप उपलब्ध नही था।
- यूरिन टेस्ट किट एवं ब्लड टेस्ट किट उपलब्ध थी।
- सत्र स्थल पर गर्भनिरोधक सामग्री भी उपलब्ध नहीं था।
- कुपोषित बच्चों के परीक्षण के लिये एम0यू0ऐ0सी0 टेप उपलब्ध था, किन्तु उसका उपयोग नहीं किया जा रहा था।
- पोषाहार का वितरण भी नहीं किया जा रहा था। टीम द्वारा बार बार बुलाने के उपरांत भी एक भी आशा नही आयी।

संलग्न– चेकलिस्ट।

अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र –कोटा, विकास खण्ड– पलिया खेड़ी

सम्पर्क अधिकारी– डा0 पी0के0त्यागी, चिकित्सक।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
चिकित्सालय परिसरः–		
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी। आवासीय भवन निर्माण पूर्ण होने के बावजूद अभीं तक हैण्डओवर नहीं किया गया।	आवासीय भवन हैण्डओवर किये जाने के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी
आई0ई0सी0ः–		
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी।	विभिन्न कार्यक्रमों की अपडेटेड आई0ई0सी0 यथास्थान डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधिकारी
ओ0पी0डी0ः–		
ओ0पी0डी0 कक्ष में स्वच्छता की कमी थी। प्रिण्टेड ओ0पी0डी0 रजिस्टर उपलब्ध नहीं था।	स्वच्छता रखते हुए ओ0पी0डी0 में मरीजों की संख्या बढ़ाने हेतु रणनीति तय करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधिकारी
परिवार नियोजन–		
गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है।	तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाये।	सम्बन्धित स्टाफ
स्टोरः–		
दवाईयों एवं उपकरणों को बहुत ही अव्यवस्थित तरीके से रखा गया था।	दवाईयों एवं उपकरणों को ब्यवस्थित तरीके से रखते हुए लेबलिंग करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ

संलग्न– चेकलिस्ट।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– आदर्शनगर

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक प्रशिक्षित स्टाफ नर्स तैनात है किन्तु उक्त डिलिवरी पॉइन्ट न होने की दशा में प्रसव नही कराये जा रहे है। जनपद सहारनपुर में गांधी मलूक, आजाद कालोनी एवं नेहरू मार्केट नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को तीन डिलिवरी पॉइन्ट बनाये गये किन्तु वो तीनों सरकारी बिल्डिंग में संचालित है एवं स्थान अत्यंत छोटा होने के कारण एक भी प्रसव आज तक नही कराये गये जबकि वहां 2–3 स्टाफ नर्स इस उद्देश्य हेतु तैनात है।	टीम द्वारा राज्य स्तर पर एन0यू0एच0एम0 से सम्पर्क स्थापित कर नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– आदर्शनगर को डिलिवरी पॉइन्ट बनाने हेतु अग्रेत्तर कार्यवाही करने का सुझाव दिया गया एवं साथ ही साथ गांधी मलूक, आजाद कालोनी एवं नेहरू मार्केट नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में तैनात तीन–तीन स्टाफ नर्सो में दो को आदर्शनगर हस्तरित करने का सुझाव दिया गया।	महाप्रबंधक एन0य0ूएच0एम0/ मुख्य चिकित्सा अधिकारी
चिकित्सालय परिसरः–		
परिसर अतिआधुनिक भवन में स्थापित है। सिटीजन चार्टर डिस्प्ले था। सभी कक्ष ब्यवस्थित थे।आवश्यक दवाईयॉ एवं उपकरण उपलब्ध थे।	चिकित्सालय भवन मरीजो के अनुकूल होने का सुझाव दिया गया।	अर्बन कोआर्डिनेटर
ओ0पी0डी0ः–		
चिकित्सक का पद रिक्त है। स्टाफ नर्स ओ0पी0डी0 सेवायें प्रदान करती है। भ्रमण के दौरान ओ0पी0डी0 में काफी संख्या में मरीज उपलब्ध थे।	मानक अनुसार पूर्ण एवं अंशकालिक चिकित्साधिकारी की नियुक्ति की जायें।	मुख्य चिकित्साधिकारी
आई0ई0सी0ः–		
आई0ई0सी0 उपलब्ध थे। परन्तु समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 पर्याप्त नहीं थे।	अपडेटेड आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया।	अर्बन कोआर्डिनेटर
परिवार नियोजन–		
आई0यू0सी0डी0 इनसर्शन की सेवायें दी जा रही हैं। आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन के प्रिण्टेड रजिस्टर उपलब्ध नहीं थे।	जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को प्रिण्टेड रजिस्टर्स उपलब्ध कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी
स्टाफ नर्स एवं फेमिली प्लानिंग एसोसिएट–पी0एस0आई0 द्वारा गर्भनिरोधक सामग्री का वितरण किया जा रहा था।	गर्भनिरोधक वितरण का रिकार्ड निर्धारित रजिस्टर में रखने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
आशा रश्मि को योजनाओं के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं थी।	योजनाओं का भली भांति अध्ययन करने का सुझाव दिया गया।	अर्बन कोआर्डिनेटर
मातृत्व स्वास्थ्यः–		
गर्भवती महिलाओं की सूची उपलब्ध नही थी। प्रसव नहीं कराये जा रहे हैं। प्रेगनेन्सी टेस्ट किट पर मूल्य रु0 60/– अंकित पाया गया।	प्रेगनेन्सी टेस्ट किट भारत सरकार द्वारा आपूर्ति कर निःशुल्क उपलब्ध कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी
लैबः–		
एल0टी0 द्वारा जॉचे की जा रही थीं। लैब में मलेरिया, टी.एल.सी./डी.एल.सी. जैसी जांचें नही हो पा रही है।	दिशा–निर्देशों के अनुरुप समस्त जॉचें किये जाने का सुझाव दिया गया।	एल0टी0

जिला महिला चिकित्सालय –सहारनपुर,

सम्पर्क अधिकारी– डा0 अनीता जोशी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
चिकित्सालय परिसरः–		
सिटीजन चार्टर अपडेटेड डिस्प्ले नहीं था।	उचित स्थान पर अपडेट कराते हुए डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था।	5'5 मैट्रिक्स उपयुक्त स्थानों पर लगाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
ई0डी0एल0 का प्रर्दशन नियमित रुप सें नहीं किया जा रहा था।	ई0डी0एल0 का प्रर्दशन कराया गया, नियमित रुप सें किये जाने तथा प्रतिदिन अपडेट करने का सुझाव दिया गया।	चीफ फार्मासिस्ट
शिकायत पेटिका उपलब्ध था किन्तु उपयोग में नही था।	शिकायत निवारण पेटिका सही जगह लगाने व मानकानुसार क्रियाशील करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
प्रसव कक्ष कें बाहर पंजीकरण काउण्टर बनाया गया था, जहॉ काफी भीड़ थी। जिससे प्रसव कक्ष में आवागमन बाधित हो रहा था।	पंजीकरण काउण्टर विन्डो के माध्यम से लाभार्थियों का लाईन बाहर की ओर लगवाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
आई0ई0सी0ः–		
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी। जो आई0ई0सी0 उपलब्ध थे वे काफी पुराने व धुधले हो चुके थे। डाइट चार्ट डिस्प्ले नहीं था।	अपडेटेड आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया। विभिन्न कार्यक्रमों यथा जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, टीकाकरण, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन आदि की उपलब्ध सुविधाओं व सेवाप्रदाताओं का विवरण, फैमिली प्लानिंग इण्डेमनिटी स्कीम आदि का वाल पेन्टिंग के माध्यम से डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
मातृत्व स्वास्थ्य–		
प्रसूताओं के अटेण्डेण्ट व आशा भी प्रसव कक्ष में मौजूद थे। ड्यूटी स्टाफ द्वारा भी संक्रमण से बचाव के तरीको का फालो नही किया जा रहा था।	संक्रमण से बचाव सम्बन्धी दिशा–निर्देशों का पालन करने का सुझाव दिया गया। ड्यूटी स्टाफ को लेबर रुम के बाहर बैठने का सुझाव दिया गया जिससे प्रसूताओं के अटेण्डेण्ट व आशा को प्रसव कक्ष में जाने से रोका जा सके।	ड्यूटी प्रभारी
लेबर रुम में ड्यूटी चार्ट नहीं लगाया गया था।	ड्यूटी चार्ट लगाये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
जे0एस0वाई0, डायट, एवं आर0के0एस0 का रजिस्टर प्रपत्र व मानकानुसार नहीं बनाये जा रहें है।	सभी रिकार्ड मानकानुसार पूरा कराने को कहा गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका
महिला वार्ड में महिला लाभार्थियों के साथ कई परिजन उपस्थित थे।	स्टॉफ नर्स को निर्देश दिया गया कि महिला लाभार्थियों के साथ एक ही परिजन उपस्थित रहें।	ड्यूटी प्रभारी
परिवार नियोजन–		
महिला वार्ड में भर्ती महिला लाभार्थियों या उनके परिजनों को काउन्सलर द्वारा परिवार नियोजन, स्तनपान आदि के बारे में परामर्श दिया जा रहा है।	निर्देश दिया गया कि भर्ती महिला लाभार्थियों या उनके परिजनों को परिवार नियोजन, स्तनपान आदि के बारे में सम्पूर्ण परामर्श दिया जाये।	परिवार नियोजन,काउन्सलर
गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है।	तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाये।	चीफ फार्मासिस्ट
परिवार नियोजन परामर्शदाता द्वारा परिवार नियोजन परामर्श दिया जा रहा है। रिकार्ड सही प्रकार से नही भरे जा रहे थे।	समस्त भर्ती प्रसतूाओं की परिवार नियोजन काउन्सलिंग करने का सुझाव दिया गया। रिकार्ड सही प्रकार से भरने सम्बन्धी जानकारी दी गई।	
पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन हुए लाभार्थियों का फालोअप ड्यू डेट पर नहीं किया जा रहा है। ड्यू डेट से फालोअप रिकार्ड मैच नहीं कर रहे थे। फालोअप काफी कम हैं।	चिकित्सा अधीक्षिका को सुझाव दिया गया कि प्रत्येक माह सेवाप्रदातावार उपलब्धि समीक्षा करें एवं इकाई में होने वाले प्रसव के सापेक्ष 30 प्रतिशत से अधिक पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन कराया जाना सुनिश्चित कराया जाए।	परिवार नियोजन,काउन्सलर

नसबन्दी लाभार्थियों के मेडिकल रिकार्ड चेकलिस्ट नहीं भरे जा रहे है।	समस्त प्रपत्र प्रिण्टेड प्राप्त कर भरे जायें।	चिकित्साधिकारी/सर्जन
कण्डोम बाक्स लगा था, किन्तु खाली था।	नियमित रुप से कण्डोम भरे जाने का सुझाव दिया गया।	चीफ फार्मासिस्ट
बाल स्वास्थ्य–		
टीका करण कक्ष के बाहर प्रचार–प्रसार सम्बन्धी प्रदर्शन नहीं था। डिस्चार्ज से पहले नवजात बच्चों को बी०सी०जी०, ओ0पी0वी0 एवं हेपेटाइटिस बी की जन्म वाली खुराक दी जा रही थी ।	आई0ई0सी0 सामग्री को यथा स्थान पर प्रदर्शित किया जाये।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
एस.एन.सी.यू. में संदर्भित मरीजों की संख्या काफी कम है। स्टाफ को यूनिवर्सल प्रीकाशन की जानकारी नहीं थी। आर0बी0एस0के0टीमें व आशाओं का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है।	आर0बी0एस0के0टीमें व आशाओं का अपेक्षित सहयोग प्राप्त कर लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
एस0एन0सी0यू0 में इलेक्ट्रिक बोर्ड आदि स्थापित थे। सेप्टि नार्मस का फालोअप नहीं किया जा रहा था। एस0एन0सी0यू0 में इलेक्ट्रिक बोर्ड आदि स्थापित थे। सेप्टि नार्मस का फालोअप नहीं किया जा रहा था। 17 में 07 रेडियनट वार्मर अक्रियाशील पाये गयें। मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका द्वारा नये रेडियनट वार्मर क्रय करने हेतु धनराशि उपलब्ध कराने की मांग की गयी।	इलेक्ट्रिक बोर्ड आदि बाहर स्थापित कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक द्वारा वार्डो में भ्रमण नहीं किया जा रहा है।	इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक द्वारा समय–समय पर मरीजो की देख भाल हेतु भ्रमण करना।	चिकित्साधिकारी
किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम–		
एन.आर.सी. में आर.बी.एस.के. टीम द्वारा SAM के मरीजों का संदर्भन नगण्य है।		
आपरेशन थियेटरः–		
आपरेशन थियेटर में सक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फालो नहीं किये जा रहे थे।	आपरेशन थियेटर मानक के अनुरुप व समस्त सम्बन्धित रिकार्ड मेण्टेन कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
बायोमेडिकल वेस्ट–		
चिकित्सालय में Colour Coded Bins की ब्यवस्था की गयी थी।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
ब्लड बैंक–		
ब्लड बैक में स्टाफ उपस्थित थे। रक्त सग्रहण, ब्लड कैम्प एवं काउन्सलिग की जा रही थी।		ब्लड बैक स्टाफ
रिकार्ड पुराने प्रपत्र पर भरे हुए थे।	नवीन प्रपत्रों का उपयोग किये जाने का सुझाव दिया गया।	ब्लड बैक स्टाफ
ब्लड बैग पर डोनर का नाम प्रदर्शित किया जा रहा था।	भविष्य में कोड नम्बर अंकित करने का निर्देश दिया गया।	

संलग्न– चेकलिस्ट।

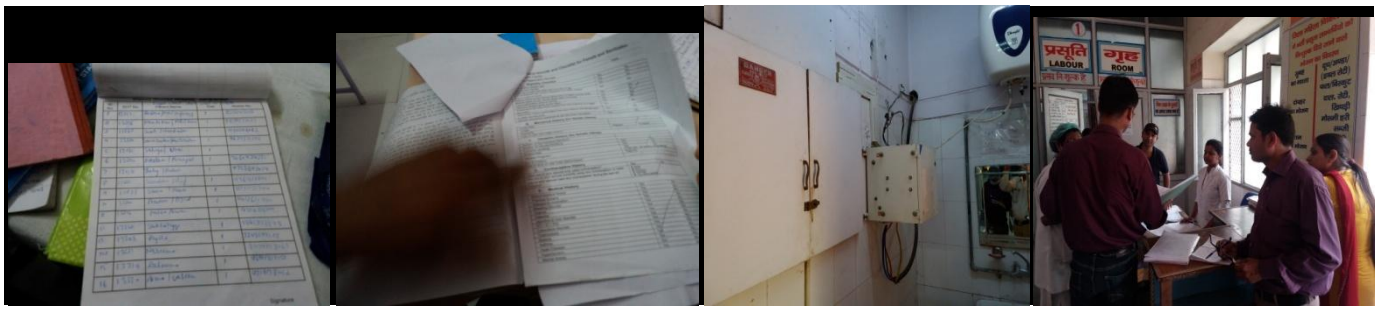

रक्तकोष– जिला चिकित्सालय– सहारनपुर

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	दायित्व
ब्लड बैंक – उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक जनपद सहरानपुर में Thalassemia से पीड़ित बच्चे है (लगभग 80–90)। उक्त पीड़ित बच्चों हेतु अलग से तीन बैड का वार्ड बनवाने की आवश्यकता है। ब्लड बैंक का Renewal 2016 में समाप्त हो चुका है। डा0 प्रियंका प्रभाकर, रक्तकोष प्रभारी जो कि अवकाश पर चल रही है। डा0 वी0के0दत्त, चिकित्साधिकारी के पद पर तैनात है। चिकित्सक की आवश्यकता पायी गयी। कार्यरत स्टाफ श्री ए0के0शुक्ला, श्री जितेन्द्र सिंह, वरिष्ठ लैब टैक्नीशियन एवं मौ0 जुनैद, परामर्शदाता को प्रशिक्षण की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्साधिकारी से वार्ता के क्रम में इस हेतु अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित कर दी गयी एवं ब्लड बैकं जिला चिकित्सालय में अलग वार्ड बना दिया जायेगा एवं तत्काल प्रभाव से ब्लड बैंक का Renewal किया जाने का सुझाव दिया गया। चिकित्सक हेतु वैक्लपिक व्यवस्था का सुझाव दिया गया। कार्यरत स्टाफ को अभिलेखों एवं शासनादेश की सम्पूर्ण जानकारी की एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्साधिकारी/ ब्लड बैंक प्रभारी

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में बैठक

बैठक के प्रतिभागी – समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी, कार्यक्रम समन्वयक(शहरी स्वास्थ्य), सिटी मैनेजर–पी0एस0आई0, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक–एन0एच0एम0, जिला कम्युनिटी प्रासेस प्रबन्धक–एन0एच0एम0 तथा समस्त ब्लाक के प्रभारी चिकित्साधिकारी, बी0पी0एम0 एवं बी0सी0पी0एम0। निम्नानुसार सुझाव दिये गये–

- मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा समस्त ब्लाक के प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गयी व सुधारात्मक निर्देश देते हुए प्रगति बढ़ाने का सुझाव दिया गया।
- राज्य स्तरीय टीम द्वारा तैयार की गई चेकलिस्ट की प्रस्तुति करते हुए प्रत्येक स्तर के चिकित्सालय द्वारा चेकलिस्ट तैयार कर सुधारात्मक फालोअप करने का सुझाव दिया गया।
- राज्य स्तरीय टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि ऑकड़ों की नियमित समीक्षा प्रत्येक स्तर के अधिकारियों द्वारा किया जाए। भिन्नता की भी जॉच कर ली जाए। डाटा वैलिडेशन कमेटी को क्रियाशील किये जाने का सुझाव देते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से पत्र भी निर्गत कराया गया। (संलग्न)
- समस्त विकास खण्ड की स्वास्थ्य इकाईयों द्वारा की गई रिपोर्टिंग में सही सूचनायें भरने सम्बन्धी जानकारियॉ प्रदान की गईं।
- आगामी माह का प्लान बनाकर वित्तीय व भौतिक प्रगति सुनिश्चित किया जाए।
- ब्लाक स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों में समस्त जानकारियों से समुदाय स्तरीय कार्यकर्ताओं को अवगत कराते हुए उनका क्षमतावर्धन किया जाये जिससे उपलब्धि बढ़ाई जा सके। इस हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से पत्र भी निर्गत कराया गया। (संलग्न)
- प्रत्येक माह सामुदायिक कार्यकर्ताओं के कार्यों की समीक्षा की जाये व आगामी माह हेतु उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों के बारे में निर्देशित किया जाय।
- आशाओं का वी0एच0आई0आर0 रजिस्टर प्रत्येक आशावार प्रत्येक कालम भरे हुए जॉच कर बी0पी0एम0/एच0ई0ओ0 केन्द्र के चिकित्साधिकारी से अवलोकित करायें।
- एच0ई0ओ0 कैलेण्डर तैयार कर सम्बन्धित अधिकारियों, कर्मचारियों का विभिन्न मुद्दों पर क्षमतावर्द्धन विशेषज्ञों/प्रशिक्षकों व प्रभारी चिकित्साधिकारी, बी0पी0एम0 व बी0सी0पी0एम0 के सहयोग से करें।

- चिकित्सालय परिसर में समस्त आवश्यक प्रचार–प्रसार, क्रियाशील उपकरण, लाजिस्टिक, दवाईयों आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करायें। जनपद स्तर से समस्त इकाईयों को अपडेटेड आई0ई0सी0, 5'5 मैट्रिक्स एवं प्रिण्टेड रजिस्टर्स आदि उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।
- जनपद स्तर से समस्त स्वास्थ्य इकाईयों (शहरी व ग्रामीण) पर मुद्रित समस्त रजिस्टर, प्रपत्र, फालोअप कार्ड्स, वाउचर्स, प्रमाणपत्र व आई0ई0सी0 सामग्री पोस्टर्स, पम्पलेट्स के साथ दिवार लेखन हेतु अपडेटेड आई0ई0सी0 उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।

संलग्नक– जारी कराये गये पत्र।

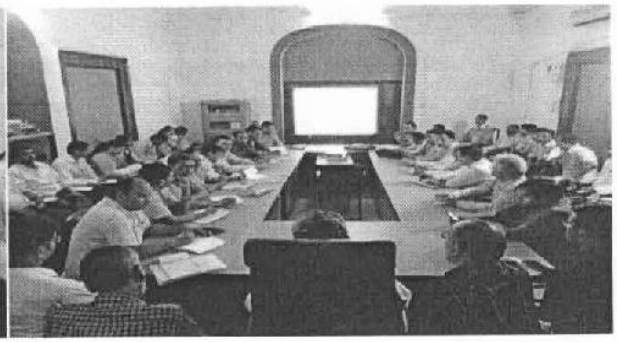

Mr. Akhilesh Srivastav
Programme Coordinator (FP)
SPMU-NHM, Lucknow

Saurabh Tewari
Technical Consultant
SPMU, NHM